Title: Regarding bomb blasts on 10-8-2000 in Srinagar (Jammu and Kashmir) resulting in killing of several persons.

SHRI UTTAMRAO DHIKALE (NASIK): Mr. Speaker, Sir, I have given notice . ...(*Interruptions*)

I have been giving notice for the past three days, but I am not getting a chance. Today, I have given the first notice at 9.00 a.m. So, I should get my chance. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You will be called today.

श्री माधवराव सिंधिया (गुना) : अध्यक्ष महोदय, कल जम्मू-कश्मीर में जो गंभीर और दुखद घटना घटी, उससे पूरा देश शोक में डूबा हुआ है। दिन प्रतिदिन ये घटनायें घटती जा रही हैं और इसी क्रम में यह एक भयंकर इजाफ़ा है। कल काफी संख्या में निर्दो और मासूम व्यक्ति मौत के घाट उतर गये।

हमारे लोकतंत्र के प्रमुख आधार स्तम्भ न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका होती है परन्तु यदि इस लोकतंत्र में पारदर्शिता की बुनियाद मजबूत नहीं होती तो यह लोकतंत्र पूर्ण रूप से असफल होता। इस पारदर्शिता की बुनियाद को मजबूत बनाने के कार्य में सबसे प्रमुख रोल पत्रकारिता का होता है। इसलिए मैं सोचता हूं कि इन तीनों के साथ पत्रकारिता जगत भी हमारे लोकतंत्र के लिए एक बहुत मजबूत आधार स्तम्भ है। आज इस संदर्भ में, इसी परिप्रेक्ष्य में हम एक नौजवान "हिन्दुस्तान टाइम्स" के फोटोग्राफर श्री प्रदीप भाटिया की याद करते हैं। हम मानते हैं कि उन्होंने अपने कार्य के प्रति कटिबद्धता जाहिर करते हुए हमारे लोकतंत्र के लिए उनका जो स्वर्गवास हुआ है, वह एक शहादत मानी जा सकती है। आज हम पूर्ण तरह से, भावनात्मक दृटि से उनके परिवार वालों के साथ हैं। उनका आठ महीने का नन्हा मुन्ना बालक कभी भी अपने पिता को न देख पायेगा और न ही पहचान पायेगा। आज हमारी पूर्ण संवेदना उस परिवार के साथ है।

इसके साथ ही साथ हमारे पत्रकारिता जगत के फैयाज काबुली, रॉयटर, श्री बिलाल भट, ए.एन.आई. के कैमरामैन और इरफान अहमद, ज़ी.टी.वी. के कैमरामैन को काफी चोटें आई हैं। हमारी उनके स्वास्थ्य लाभ के प्रति पूर्ण तरह से कामना है। हमारे पुलिसकर्मी जिनका इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में स्वर्गवास हुआ है, उनके परिवार वालों के प्रति भी हमारी पूर्ण तरह से भावनात्मक संवेदना है।

अध्यक्ष महोदय, जम्मू और कश्मीर में जो मामला घट रहा है, उस संबंध में हमने शांति वार्ता का, शांति प्रयास का और शांति प्रक्रिया का स्वागत किया था। इस ओर हम सदा प्रयासरत थे कि इस बीच कभी भी कोई बाधा उत्पन्न न हो। लेकिन हमने यह भी कहा था कि सरकार को बहुत सावधान रहना पड़ेगा। दुर्भाग्य से ऐसा लगता है किâ€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: We will discuss it on 21st also.

श्री माधवराव सिंधिया : यह बहुत संवेदनशील मामला है। बहुत भावुक मामला है इसलिए मैं आपसे निवेदन करूंगा कि आप मुझे दो मिनट और दे दें। जो सावधानी रहनी चाहिए थी, वह सावधानी हम नहीं दे सके। लाहौर के बाद कारगिल काण्ड हुआ। हमारी हिजबुल मुजाहिदीन के साथ जब चर्चा प्रारंभ हुई, तो उसके बाद 100 लोगों का नरसंहार हुआ। अब यह भयंकर हादसा हुआ है। हमको पूरी तरह से एक असमंज, कन्फ्यूज़न इस वार्ता में दिखाई देता है। सरकार किसी योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़े, हम पूर्ण तरह से उनका समर्थन करने के लिए तैयार हैं परन्तु एक लांग टर्म योजनाबद्ध तरीके और कार्यक्रम से हमें आगे बढ़ना होगा। मैं आपको विश्वास दिलाना चाहता हूं कि आज इस बहुत ही भावुक समय में हम सरकार की आलोचना करने के लिए नहीं खड़े हैं। यह आलोचना का समय नहीं है क्योंकि It is such an emotional time that we are only pointing out some ideas, some thoughts that occur to us which are of great concern. उस भावना में हम चाहते हैं कि आप हमारे विचारों को स्वीकार करें।

This is a very emotional time. मैं इसका कोई पोलीटिसाईजेशन नहीं करूंगा, यहां तक कि मैं इस इमोशनल समय में कोई भी आलोचना नहीं करना चाहता। एक सकारात्मक दृटिकोण अपनाते हुए हमारे सुझावों पर विचार करें, चिन्तन करें क्योंकि पूरे देश में इस मामले में व्यापक रूप से चिन्ता फैली हुई है।

अन्त में मैं फिर से मृतकों के परिवार के प्रति कांग्रेस पार्टी की तरफ से अपनी भावुक संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Rashid Alvi, Shri Prabhunath Singh, Shri Mohan Rawale, Shri Rupchand Pal and Shri Priya Ranjan Dasmunsi can also associate with Shri Madhavrao Scindia.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Yesterday, the Minister had also made a statement.

...(*Interruptions*)

श्री मोहन रावले (मुम्बई दक्षिण मध्य) : अध्यक्ष महोदय, कश्मीर में इतने लोग मारे जा रहे हैं। ...(व्यवधान) हम सरकार से मांग करते हैं कि सरकारी कदम उठाना चाहिए और आर्मी को फ्री हैंड देना चाहिए। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: On 21st also, we are going to discuss this matter. Is there anything from the Government's side?

...(*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, इस पर हमने नोटिस दिया है। हमें दो मिनट का समय दे दीजिए। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You can associate with him.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I have called your names.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: No, no; all of you can associate with him.

...(*Interruptions*)

श्री मोहन रावले : इज़राइल फिलि्स्तीन के सामने नहीं झुक रहा है लेकिन उसको दबा रहे हैं। ...(व्यवधान) हमारी सरकार झुक रही है। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record.

*(Interruptions) **

MR. SPEAKER: This is a serious issue raised by the Deputy Leader of the House. All of you have given notices.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You can associate with him. Please understand it.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record.

*(Interruptions)**

** Not Recorded*

MR. SPEAKER: No, no; I have called the names. All those Members who have given notices can associate with Shri Scindia.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: It is on the same subject. I cannot call all the names. Other Members have also given notices. I cannot call all the Members on the same subject. It is also very difficult for me. Now, please hear Government's reply.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I am appealing you to please cooperate with the Chair

...(*Interruptions*)

MR. SPAKER: Now, only Minister's reply will be there.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record except the Minister's reply.

(Interruptions) ...(Not recorded)

MR. SPEAKER: There are other Members also. Please understand it.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : प्रभुनाथ सिंह जी, आप बैठ जाइए प्लीज़। मैं अपील कर रहा हूं।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Rashid Alvi, your name is also there. I have already called your name.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: There are other matters. Now, only the Minister's reply will go on record.

*(Interruptions) **

MR. SPEAKER: You are going to discuss this subject on 21st also. Please understand it.

...(*Interruptions*)

---

* Not Recorded

MR. SPEAKER: No, no; I will not allow you. Nothing should go on record. Otherwise I will go to the other subject.

*(Interruptions)**

MR. SPEAKER: What is this? There are 35 notices with me. How can I allow all the Members on the same subject?

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: No, no; I am not allowing anybody on this subject.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER; Shri Uttamrao Dhikale. You are not allowing the Minister also to give the reply. What is this?

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You are senior Members. I am appealing to you. Please take your seats.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Everyday the same system is continuing in the "Zero Hour". There is a procedure for that. We have all decided in the BAC that whenever there are more than one speakers on a subject, one can speak and others can associate with him. But again everyone wants to speak here. This is not good. Now, the Minister please.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I am appealing to all of you to take your seats. This is not the way to raise an issue.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Alvi, please take your seat. This will not go on record.

*(Interruptions)**

** Not Recorded*

MR. SPEAKER: You are not taking serious issues seriously. It is a pity.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: "Zero Hour" is not an Hour for debate.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record.

*(Interruptions)**

SHRI RASHID ALVI (AMROHA): Sir, let me speak for just one minute...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I am not allowing you. Please take your seat. आप बैठ जाइये, प्लीज। आज नहीं।

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Not today. Please take your seat.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: What is this? Now, the Minister please.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The House should take a serious view about such kind of incidents.

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री प्रमोद महाजन) : अध्यक्ष जी, कांग्रेस के उपनेता माधवराव जी सिंधिया और सभी दलों के विभिन्न सदस्यों ने नोटिस दिये, जिन्होंने शून्य काल में कल की श्रीनगर की घटना के सम्बन्ध में विषय उठाया, उनकी भावनाओं से मैं पूर्णत्या सहमत हूं। निश्चित रूप से जनतंत्र का चौथा आधार स्तम्भ पत्रकार हैं, जो निर्भयता से पाकिस्तान के छेड़े गये प्रॉक्सी वार को जनता तक पहुंचाने के लिए श्रीनगर में, कश्मीर में काम करते थे। लगता है कि साजिश के अन्तर्गत उन्हें भी आहत करने का कल प्रयास हुआ। माधवराव जी ने हिन्दुस्तान टाइम्स के पत्रकार श्री प्रदीप भाटिया जी को शहीद कहकर पुकारा, जिससे मैं पूर्णत्या सहमत हूं। केवल लड़ने वाला सैनिक ही शहीद होता है, ऐसा नहीं है, कभी-कभी नागरिक या पत्रकार भी जिस प्रकार से लड़ते हैं, स्वाभाविक रूप से उन्हें भी शहादत प्राप्त होती है, इसलिए सरकार की ओर से मैं उन्हें श्रद्धांजलि देता हूं। मैं आप सब की भावनाओं से सहमत हूं। कल दोनों सदनों में सदन उठने के पहले अध्यक्ष जी के आदेश के अनुसार सरकार की ओर से एक छोटा सा वक्तव्य भी इस सम्बन्ध में दिया गया था। जैसा माधव राव जी ने अभी कहा कि हर वक्त कोई राजनीति का, स्कोर करने का मुद्दा नहीं होता, उन्होंने रचनात्मक रूप से कहा कि इसमें सरकार को अपनी जिम्मेदारी का अहसास करके इन घटनाओं से देश कोबचाना चाहिए।

मैं समझता हूं जिस रचनात्मक रूप में उन्होंने यह कहा, किसी प्रकार का राजनैतिक रंग न देते हुए या केवल हर चीज को आलोचना-प्रत्यालोचना का विषय न बनाते हुए इसे राष्ट्रीय संकट मान कर माधवराव जी ने और अन्य नेताओं ने जो सुझाव दिए हैं, सरकार निश्चित रूप से उन पर पूर्ण विचार करेगी और हम सब मिल कर आतंकवाद का मुकाबला करने का प्रयास करेंगे। ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record, except the submission of Shri Uttamrao Dhikale.

(Interruptions) *